नवभारत
भोपाल, शुक्रवार 29 मई 2026

ईद-उल-अजहा पर मांगी अमन-चैन, खुशहाली की दुआ

- मुस्लिम समाज ने मनाया त्यौहार, निकला जुलूस
- गले मिलकर एक-दूसरे को दी ईद की मुबारकबाद

बेगमगंज, 28 मई. ईद-उल-अजहा का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. नगर की ईदगाह , मक्का मस्जिद बलाई टेकरी एवं जामा मस्जिद में नमाज अदा किए जाने के बाद सभी मुस्लिम धर्मालंबियों द्वारा एक -दूसरे एवं सनातन धर्मालंबियों से गले मिलकर मुबारकबाद दी गई. इसके बाद जिन व्यक्तियों पर कुर्बानी बाजिब है. उन्होंने अपने -अपने घरों पर कुर्बानी की.

मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष आरिफ राइन की अगुवाई में अखाड़ों का जुलूस दोपहर में काजी मोहल्ले से प्रारंभ हुआ. जिसमें घोड़ा बग्गी, घोड़ा डांस पार्टी (नाचने वाले घोड़े) नर्मदापुरम, बैंड-ढोल पार्टी सागर एवं विभिन्न आयटम फूल बरसाती तोप , डीजे , अन्य वाद्य यंत्र शामिल थे . बग्गियों में सरपरस्तों , घोड़ों पर बैठे अध्यक्ष सहित समाज के अन्य प्रमुख लोग आकर्षण का केंद्र रहे. वहीं सभी अखाड़ों के होनहार खिलाड़ी अपने करतबों का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चल रहे थे. जुलूस बजरिया, कबीट चौराहा, गांधी बाजार, मेन रोड, पुराना बस स्टैंड, नया बस स्टैंड, मुर्गा मार्केट से खिरिया नारायण दास ऊपर टेकरी पर चांद शाह बाबा के मजार पर पहुंचा. जहां पर अखाड़ों के प्रदर्शन के साथ हाफिजों द्वारा कुरआन खानीकिया गया और तबरुक (प्रसाद) वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन हो गया.

सलामतपुर में उत्साह के साथ मनाई ईद

सलामतपुर, 28 मई. कुर्बानी का पर्व ईद-उल-अजहा सलामतपुर, बेरखेड़ी चौराहा, दीवानगंज, सांची सहित आसपास क्षेत्र में पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया. गुरुवार सुबह ईदगाह में मुस्लिम समाज द्वारा सामूहिक नमाज अदा की गई. सुबह करीब 7 बजे बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाह पहुंचे, जहां पर जामा मस्जिद के पेशे ईमाम नसीम अहमद द्वारा विशेष नमाज अदा कर पूरे मुल्क में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी गई. नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी. इसके बाद लोगों ने अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के घर पहुंचकर बधाइयां दीं. वहीं घरों में कुर्बानी का सिलसिला भी शुरू हुआ, जिसे लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला.

सिलवानी में नमाज से पूर्व त्यौहार के बारे में दी जानकारी

सिलवानी, 28 मई. ईद-उल-अजहा पर्व पूरे नगर सहित ग्रामीण अंचल में प्रेम और सौहार्द पूर्वक मनाया गया. ईदगाह, जामा मस्जिद व बिलाल मस्जिद ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज अदा की गई. नमाज से पूर्व ईदगाह में मुफ्ती मोहम्मद जैद साहब द्वारा त्यौहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई. ईद-उल-अजहा पैगम्बर हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के बेटे हजरत इस्माईल अलैहिस्सलाम की याद में मनाई जाती है. मुफ़्ती साहब ने बताया कि अल्लाह पाक ने इस मौके पर कुर्बानी करना उस मुस्लिम मर्द और औरत, आकिल, बालिग पर फर्ज किया है. जिसके पास सात तोला सोना और साढ़े बावन तोला चांदी या इसके बराबर मालियत हो.

देवरी में मनाया ईद का त्यौहार

देवरी 28 मई. नगर सहित पूरे क्षेत्र में बकरा ईद का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. सुबह से ही बच्चे नए कुर्ता-पायजामा और टोपी पहनकर ईदगाह की ओर जाते नजर आए. देवरी एवं आसपास के क्षेत्रों से मुस्लिम समाज के लोग सुबह लगभग 6 बजे जामा मस्जिद परिसर में एकत्रित हुए, जहां से सभी लोग पैदल जुलूस के रूप में ईदगाह वाली पहाड़ी पहुंचे. सुबह 7 बजे ईद की विशेष नमाज अदा की गई. नमाज अलिम नूर मोहम्मद कासमी ने अदा कराई. नमाज के बाद देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ मांगी गई. इस अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी. इस मौके पर सदर सैयद आमिर और सैयद सोहेल तथा मस्जिद कमेटी ने ईदगाह पर सभी इंतजाम किए गए थे.

नौतपा के चौथे दिन बदला मौसम बारिश से लोगों को मिली राहत

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 28 मई. रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश के साथ शुरू हुए नौतपा के चौथे दिन गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली. सुबह से दोपहर तक तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल रहे, लेकिन दोपहर बाद आसमान में काले बादल छा गए. शाम करीब 4 बजे हल्की बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया और ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाई.

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार नौतपा के दौरान आने वाले दिनों में गर्मी और अधिक बढ़ सकती है. सूर्य की सीधी किरणों के कारण धरती लगातार तप रही है और तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है. पिछले एक पखवाड़े से तेज गर्मी के चलते लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं. इंसान ही नहीं, पशु-पक्षी भी भीषण गर्मी से परेशान हैं और राहत भरी बारिश का इंतजार कर रहे हैं.

क्षेत्र के बुजुर्गों का कहना है कि करीब 50 वर्ष पहले भी ऐसी भीषण गर्मी देखने को मिली थी. लगातार बढ़ती तपिश से जलस्रोत सूखने लगे हैं और लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है. ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि इस बार रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश के साथ नौतपा का प्रभाव अधिक तेज रहने की संभावना है. ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. डॉ. अखिलेश रघुवंशी ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण बड़ी संख्या में बच्चे डिहाइड्रेशन और डायरिया जैसी समस्याओं से प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, अनावश्यक धूप में बाहर न निकलने और जरूरी हों

एक नजर में

समय पूर्व जन्मे जुड़वा शिशुओं को मिली आंखों की रोशनी

भोपाल, 28 मई. सेवा सदन आई हॉस्पिटल ने समय से पूर्व जन्मे दो जुड़वा शिशुओं का नि:शुल्क ऑपरेशन कर उनकी आंखों की रोशनी बचाई है. सेवा सदन हॉस्पिटल प्रबंधन के मुताबिक छिंदवाड़ा निवासी राज और रानी के घर 27 दिन पहले जुड़वा बच्चों - एक बेटे और एक बेटी का जन्म हुआ। दोनों बच्चों का जन्म केवल सात महीने में हो गया. इस कारण वे अत्यंत कमजोर और गंभीर स्थिति में थे। जन्म के तुरंत बाद शिशुओं को छिंदवाड़ा के जिला अस्पताल की एनआईसीयू में भर्ती किया गया. बेटे का वजन एक किलो 200 ग्राम और बेटी का वजन एक किलो 300 ग्राम था. समय से पहले जन्म लेने और कम वजन होने के कारण दोनों बच्चों में 'रेटिनोपैथी ऑफ प्री-मैच्युरिटी (आरओपी) नामक आंखों की गंभीर बीमारी के लक्षण पाए गए. यह बीमारी समय पर इलाज न मिलने पर बच्चों को हमेशा के लिए अंधत्व की ओर धकेल सकती है. बच्चों के माता-पिता आर्थिक रूप से बेहद कमजोर थे. अपने बच्चों की गंभीर स्थिति को देखकर वे पूरी तरह चिंतित और निराश थे. महंगे इलाज की चिंता के कारण उन्होंने उम्मीद लगभग खो दी थी. ऐसे कठिन समय में सेवासदन आई हॉस्पिटल ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दोनों बच्चों का नि:शुल्क उपचार किया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली. जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत बच्चों को सेवासदन आई हॉस्पिटल रेफर किया. सेवा सदन अस्पताल की वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. सोनल पालीवाल ने दोनों बच्चों की जांच की. जांच में पाया कि दोनों बच्चों को तुरंत एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन की आवश्यकता है. यह इंजेक्शन आंखों में बनने वाली असामान्य रक्त वाहिकाओं की वृद्धि को रोकता है और बच्चों को रेटिना डैमेज, ब्लीडिंग तथा स्थायी अंधेपन से बचाता है.

आईसेक्ट इंडिया का 'रॉयल निमाड़ ईगल्स जिंगल' लांच

भोपाल, 28 मई. मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 क्रिकेट में वर्ष 2025 में प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर के रूप में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद आईसेक्ट समूह ने इस बार भी अपनी नई पुरुष एवं महिला क्रिकेट टीम का 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' लॉन्च किया. कार्यक्रम के दौरान खेल एवं क्रिकेट के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले करीब 10 व्यक्तित्वों एवं टीम के स्पॉन्सर्स का सम्मान किया गया. साथ ही रॉयल निमाड़ ईगल्स की मेंस एवं वूमेंस टीम का स्वागत किया गया. इस दौरान आईसेक्ट समूह के चेयरमैन संतोष चौबे, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी एवं एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी उपस्थित रहे.

ग्राम चांदबड़ में चालीस साल बाद फिर हुई झिरआई फाग

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 28 मई. ग्राम चांदबड़ में 40 साल बाद फिर से झिरआई फाग का संपन्न कराया गया. करीब 30 फीट ऊंचे स्तंभ पर चढ़कर धर्म ध्वजा के साथ प्रसाद सहित बंधी पोटली को तोड़ने वाले 19 वर्षीय युवक निखिल रैकवार को विधायक देवेंद्र पटेल ने नगद 21 हजार का पुरस्कार प्रदान किया.

40 साल बाद हुए इस आकर्षक और अनूठे आयोजन की एक पखबाड़े से धूम थी. जिसके कारण आसपास के 25 गांवों की 15 टोलियों सहित हजारों दर्शक पहुंचे. आयोजन में मृदङ्ग , ढोलक, टिमकी, झांझर ओर रमतूला जैसे देशी वाद्य यंत्रों की धुन पर चल रहे लोकगीत गूंज रहे थे. अतिथियों के द्वारा कीर्ति ध्वजा का पूजन कर प्रतियोगिता प्रारंभ कराई . एक -एक करके कई टोलियों ने अपने हाथों में लिए टी-आकर की लकड़ी पर लंबी-लंबी लाठियां लिए महिलाओं के प्रहार करती महिलाओं की टोलियों के प्रहार झेलते हुए धीरे - धीरे जुगत लगाते हुए झंडे तक पहुंचने की कवायद शुरू की, लेकिन महिलाओं के तेज लाठी बरसाते हुए प्रहार से कई लोग बच गए और कई तो बचाव करने में चूकने से घायल भी हो गए.

बाबा की पत्नी को घर में शरण देने पर विवाद

दो पक्षों में लाठी-डंडे चले, बाबा समेत पांच घायल, अस्पताल में भी तनाव बना रहा

नवभारत न्यूज

रायसेन, 28 मई. रायसेन जिले के देवनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सांचेत में बुधवार देर रात एक बाबा की पत्नी को शरण देने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चल गए. घटना में बाबा सहित दोनों पक्षों के करीब 5 लोग घायल हुए हैं.

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाकर मामले की जांच शुरू कर दी है.जानकारी के अनुसार, खुद को काल भैरव का साधक बताने वाले नानक देव उर्फ सुनील सराठे का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा है. बताया जा रहा है कि उनकी पत्नी गांव के ही ममतेश विश्वकर्मा के घर पहुंच गई थी. इसी बात को लेकर बाबा ने आपत्ति जताई और बुधवार देर रात दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई.देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे. घटना में बाबा नानक देव, ममतेश विश्वकर्मा के पिता रामप्रसाद विश्वकर्मा (50) सहित दो लोग घायल हो गए. घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया.

अस्पताल में भी बना रहा तनाव

घटना के बाद दोनों पक्ष जिला अस्पताल पहुंचे, जहां पुलिस घायलों के बयान दर्ज करती रही. इसी दौरान बाबा के समर्थक भी उन्हें अपनी गाड़ी से अस्पताल लेकर पहुंचे. अस्पताल परिसर में भी दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी रही. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक तरफ बाबा खुद को घायल बता रहे थे, जबकि दूसरे पक्ष के लोगों के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें दिखाई दीं. देवनगर थाना प्रभारी हरिओम आस्तया ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है. घायलों का मेडिकल कराया गया है. जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

घर में घुसकर हमला और तोड़फोड़ का आरोप

घायल ममतेश विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि बाबा अपने समर्थकों के साथ उनके घर पहुंचे और लाठी-डंडों से हमला कर दिया. इस दौरान उनके पिता समेत परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए. उन्होंने गाड़ियों में तोड़फोड़ करने का भी आरोप लगाया है.

कलेक्टर ने खोहा में चौपाल लगाई, किया संवाद

- मेधावी बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 28 मई. ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की वस्तुस्थिति जानने विगत दिवस कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा सांची जनपद के ग्राम खोहा पहुंचे.

यहां कलेक्टर विश्वकर्मा ने आम के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उपस्थित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के लिए निर्देशित किया. ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याओं और गांव के विकास को लेकर अपनी बात रखी. कलेक्टर ने चौपाल के प्रारंभ में ग्रामीणों से एक-एक कर उनसे पूछा कि उन्हें शासन की कौन-कौन सी योजनाओं का लाभ मिल रहा है और किन योजनाओं का लाभ अभी तक नहीं मिला है. उन्होंने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद्यान्न वितरण, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली. कलेक्टर विश्वकर्मा ने ग्रामीणों से कहा कि योजनाओं का लाभ लेने के लिए वह स्वयं भी आगे आएं. साथ ही गांव के विकास में भी सक्रिय भागीदारी निभाएं.

ग्राम चौपाल में कलेक्टर ने गांव की मेधावी बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया. उन्होंने 90 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ कक्षा 10वीं उत्तीर्ण करने वाली गांव की मेधावी बालिकाओं मुस्कान सेन, श्रृद्धा सेन, मुस्कान सेन तथा मेधावी छात्रा खुशी अहिरवार को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया. इसके अतिरिक्त कम वजन वाले बच्चों को पोषण आहार किट भी वितरित किए गए. इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी सहित एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

एम्स में लिप्पन आर्ट, मिरर डेकोरेशन का प्रशिक्षण

भोपाल, 28 मई. एम्स भोपाल के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर द्वारा लिप्पन आर्ट कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यशाला में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों सहित कुल 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रसिद्ध मॉडलर कलाकार अभिलाष देवांगन ने प्रतिभागियों को लिप्पन आर्ट, मिरर डेकोरेशन और क्ले डिजाइन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया. कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने व्यावहारिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर रचनात्मक कौशल विकसित किए. इस पहल का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य, रचनात्मकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना था.

बेगम नदी में चला सफाई अभियान

सिलवानी, 28 मई. मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सिलवानी नगर की जीवन रेखा मानी जाने वाली बेगम नदी में व्यापक सफाई एवं गहरीकरण अभियान चलाया गया.

यह अभियान नगर परिषद सिलवानी एवं सत्यार्थ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद एवं सत्यार्थ फाउंडेशन की संयुक्त टीम ने श्रमदान कर नदी की साफ-सफाई की तथा जल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नदी के गहरीकरण का कार्य भी किया. अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देना रहा.

नगर परिषद सिलवानी के जनप्रतिनिधि, सत्यार्थ फाउंडेशन के सदस्य, समाजसेवी एवं अन्य कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. सभी ने जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया.अभियान में शामिल वक्ताओं ने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और समाज की सहभागिता से ही ऐसे प्रयास सफल हो सकते हैं.

अस्थि कलश सांची के चैत्यागिरी विहार मंदिर में दिया गार्ड ऑफ ऑनर

सारिपुत्र और महामोग्गलान के अस्थि कलश मंगोलिया के लिए रवाना

- बुलेटप्रूफ बॉक्स में दिल्ली पहुंचे, 11 जून को लौटेंगे
- दूसरी बार है जब अवशेषों को विदेश भेजा जा रहा है

अदनान खान

सलामतपुर, 28 मई. विश्व प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थ सांची से गुरुवार 28 मई को भगवान गौतम बुद्ध के परम शिष्यों अर्हन्त सारिपुत्र और अर्हन्त महामोग्गलान के पवित्र अस्थि कलश मंगोलिया के लिए रवाना कर दिए गए.

यह दूसरी बार है जब इन अवशेषों को दर्शन के लिए विदेश भेजा जा रहा है, इससे पहले दो साल पहले थाईलैंड भेजा गया था. अस्थि कलशों को कड़ी सुरक्षा के बीच सड़क मार्ग से भोपाल एयरपोर्ट लाया गया, जहां से विशेष विमान के जरिए इन्हें दिल्ली भेजा गया है. सांची के चैत्यागिरी विहार मंदिर के मुख्य तहखाने से सुबह 7 बजे 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी में अस्थि कलशों को बाहर निकाला गया. इसके बाद बौद्ध भिक्षुओं ने करीब डेढ़ घंटे तक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना की. सुबह 9 बजे सशस्त्र सुरक्षा बलों द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिए जाने के बाद कलशों को बुलेटप्रूफ और शॉक-प्रूफ विशेष बॉक्स में सील कर भोपाल रवाना किया गया. अवशेषों को दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय भेज दिया गया है. यहां तकनीकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद 29 मई को इन्हें मंगोलिया ले जाया जाएगा. रायसेन एसडीएम मनीष शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की विशेष टीम ने सांची में भी कलशों का भौतिक सत्यापन और वैज्ञानिक जांच की थी. इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराकर पंचनामा भी तैयार किया गया है.

मंगोलिया की राजधानी उलानबटार स्थित गंडन तेगचेनलिंग मठ में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए इन अस्थि कलशों को रखा जाएगा. मंगोलिया में करीब 10 दिन के प्रवास के बाद 10 जून को ये कलश वापस दिल्ली लौटेंगे और 11 जून को इन्हें सांची में फिर से सुरक्षित स्थापित कर दिया जाएगा.

> कलश रवानगी के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल भी मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में यह नई परंपरा शुरू हुई है. पहले ये अस्थियां विदेशों में थीं, जिन्हें भारत लाया गया और अब सम्मानपूर्वक दर्शन के लिए विभिन्न देशों में भेजा जा रहा है.

कबड्डी, बॉक्सिंग का प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ी

खेलो बढ़े अभियान की तर्ज पर खेल प्रतियोगिता आयोजित हुई

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 28 मई. समर कैंप में विभिन्न प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को कबड्डी एवं बॉक्सिंग में महारत हासिल करने के उद्देश्य से प्रशिक्षित किया जा रहा है.

साथ ही उन्हें सभी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए नशा मुक्ति की शपथ, साइबर क्राइम ठगी से बचने के उपाय से जागरूक कार्यक्रम चलाया जा रहा है. वहीं जुंबा म्यूजिक क्लास एवं मनोरंजन टैलेंट सर्च के द्वारा खिलाड़ियों का खेलो इंडिया मूवमेंट किया जा रहा है. खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ब्लॉक इकाई के द्वारा पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल अधिकारी जलज चतुर्वेदी के निर्देशन में आयोजित आरोह द समर कैंप 2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के लिए 132 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है. खेलो बड़ो अभियान के तहत खिलाड़ियों के आपस में मैच कराकर उनके टैलेंट को सर्च किया जा रहा है.

ऐसे विजेता खिलाड़ियों को एक सामाजिक संस्था के संतोष राय द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. ब्लॉक समन्वयक सुभाष रैकवार ने बताया कि खेल गतिविधियों के साथ-साथ बच्चों को सामाजिक जागरूकता से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं.

इसी क्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है.